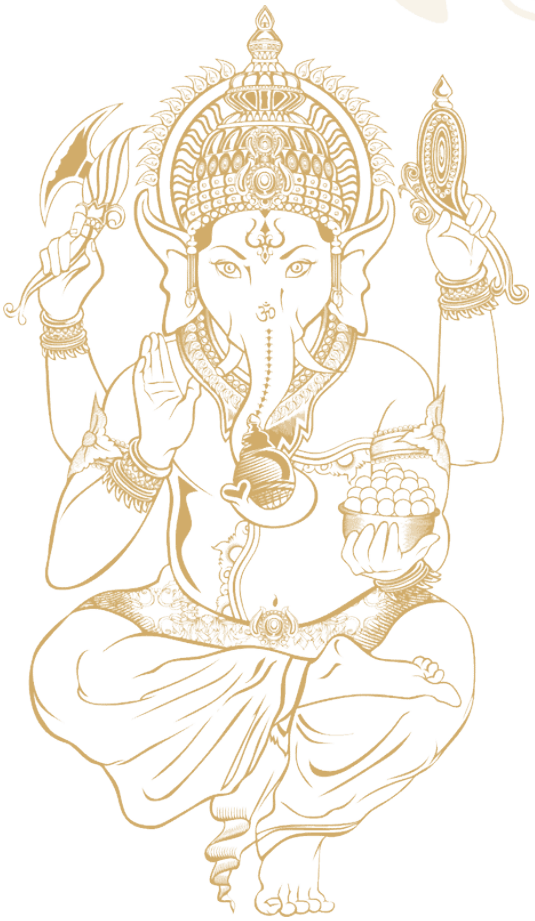

31 May 2015

06:33 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121331604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/2015**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:33:00 घंटे**
इष्ट	02:52:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:11:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	22:44:45 घंटे
सूर्योदय	05:24:07 घंटे
सूर्यास्त	19:13:37 घंटे
दिनमान	13:49:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:13:27 वृष
लग्न के अंश	01:10:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:10:51	338:46:57	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृष	15:13:27	00:57:31	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	13:54:21	12:27:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृष	19:10:25	00:41:32	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	वृष	14:42:32	00:33:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:25:09	00:08:17	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	00:24:12	01:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	06:58:21	00:04:24	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	14:14:27	00:05:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:14:27	00:05:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	25:11:59	00:02:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप			कुंभ	15:42:11	00:00:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	21:01:38	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	15:33:08	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:21

लग्न-चलित

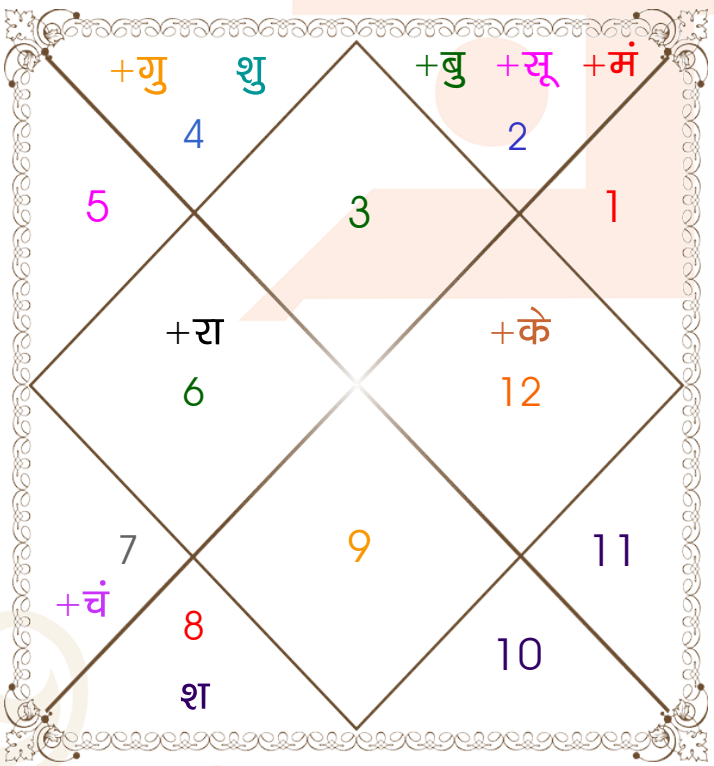

चन्द्र कुंडली

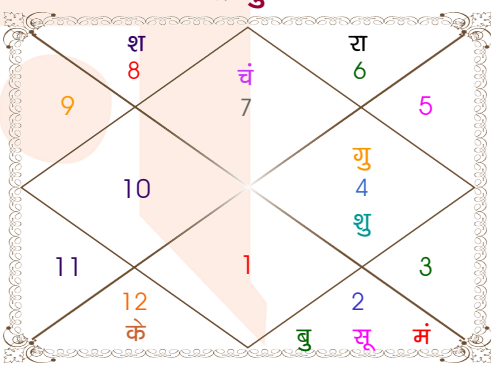

नवमांश कुंडली

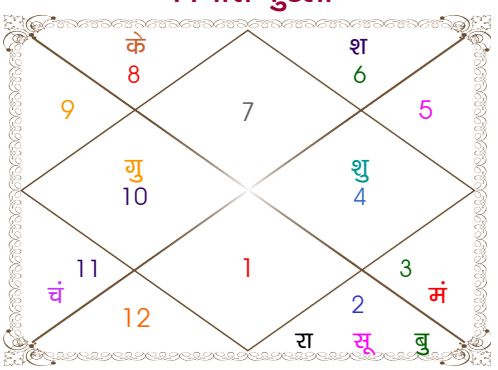

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 2 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/05/2015		22/08/2023		22/08/2039		21/08/2058		22/08/2075	
22/08/2023		22/08/2039		21/08/2058		22/08/2075		21/08/2082	
	00/00/0000	गुरु	09/10/2025	शनि	25/08/2042	बुध	17/01/2061	केतु	18/01/2076
	00/00/0000	शनि	21/04/2028	बुध	04/05/2045	केतु	14/01/2062	शुक्र	19/03/2077
	31/05/2015	बुध	28/07/2030	केतु	12/06/2046	शुक्र	14/11/2064	सूर्य	25/07/2077
बुध	20/02/2016	केतु	04/07/2031	शुक्र	12/08/2049	सूर्य	21/09/2065	चंद्र	23/02/2078
केतु	10/03/2017	शुक्र	04/03/2034	सूर्य	25/07/2050	चंद्र	20/02/2067	मंगल	22/07/2078
शुक्र	10/03/2020	सूर्य	21/12/2034	चंद्र	23/02/2052	मंगल	17/02/2068	राहु	10/08/2079
सूर्य	01/02/2021	चंद्र	21/04/2036	मंगल	03/04/2053	राहु	06/09/2070	गुरु	15/07/2080
चंद्र	03/08/2022	मंगल	28/03/2037	राहु	08/02/2056	गुरु	12/12/2072	शनि	24/08/2081
मंगल	22/08/2023	राहु	22/08/2039	गुरु	21/08/2058	शनि	22/08/2075	बुध	21/08/2082

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/08/2082		22/08/2102		22/08/2108		22/08/2118		22/08/2125	
22/08/2102		22/08/2108		22/08/2118		22/08/2125		00/00/0000	
शुक्र	21/12/2085	सूर्य	10/12/2102	चंद्र	22/06/2109	मंगल	19/01/2119	राहु	04/05/2128
सूर्य	21/12/2086	चंद्र	11/06/2103	मंगल	21/01/2110	राहु	06/02/2120	गुरु	28/09/2130
चंद्र	21/08/2088	मंगल	16/10/2103	राहु	23/07/2111	गुरु	12/01/2121	शनि	04/08/2133
मंगल	21/10/2089	राहु	09/09/2104	गुरु	21/11/2112	शनि	21/02/2122	बुध	01/06/2135
राहु	21/10/2092	गुरु	28/06/2105	शनि	23/06/2114	बुध	18/02/2123		00/00/0000
गुरु	22/06/2095	शनि	10/06/2106	बुध	22/11/2115	केतु	17/07/2123		00/00/0000
शनि	21/08/2098	बुध	17/04/2107	केतु	22/06/2116	शुक्र	15/09/2124		00/00/0000
बुध	22/06/2101	केतु	23/08/2107	शुक्र	21/02/2118	सूर्य	21/01/2125		00/00/0000
केतु	22/08/2102	शुक्र	22/08/2108	सूर्य	22/08/2118	चंद्र	22/08/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।